भारत सरकार

संचार मंत्रालय

डाक विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2156

उत्तर देने की तारीख 12 मार्च, 2025

कार्यरत डाकघर

2156. श्री सी. एन. अन्नादुरई :

श्री नवसकनी के. :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुल कितने डाकघर कार्यरत हैं;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में कितने नए डाकघर स्थापित किए गए हैं;

(ग) देश में डाकघरों के आधुनिकीकरण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं जिनमें डिजिटल सेवाओं का प्रावधान और अवसंरचना का उन्नयन शामिल है;

(घ) इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक पहल के अंतर्गत देश में कितने डाकघर कोर बैंकिंग और अन्य डिजिटल सेवाओं से सुसज्जित हैं;

(ङ) देश के जनजातीय और पहाड़ी क्षेत्रों में विश्वसनीय डाक सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(च) क्या निकट भविष्य में तमिलनाडु में अतिरिक्त डाकघर स्थापित करने अथवा नई सेवाएं आरंभ करने का कोई प्रस्ताव है; और

(छ) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं कि डाकघर डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धी और प्रासंगिक बने रहें?

उत्तर

संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) देशभर में कुल 1,64,987 डाकघर (प्रधान डाकघर, उप-डाकघर और शाखा डाकघर) प्रचालनरत हैं, जिनमें से 15,823 डाकघर शहरी क्षेत्रों में और 1,49,164 डाकघर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में 50 नए डाकघर स्थापित किए गए हैं।

(ग) देश के सभी विभागीय डाकघरों को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) आधुनिकीकरण परियोजना के तहत कम्प्यूटरीकृत कर नेटवर्क से जोड़ा गया है। आईटी 2.0 के अंतर्गत, देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचालनरत सभी शाखा डाकघरों को डाक, वित्तीय और बीमा संबंधी लेन-देन कार्य ऑनलाइन रूप से करने के लिए मोबाइल उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

(घ) इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के तहत 1,63,939 डाकघरों को बैंकिंग तथा अन्य डिजिटल सेवाएं प्रदान करने हेतु सक्षम बनाया गया है।

(ङ) जनजातीय तथा पर्वतीय क्षेत्रों सहित देशभर में डाकघर स्थापित किए गए हैं, ताकि स्थानीय निवासियों को डाक सेवाएं प्रदान की जा सकें। इसके अतिरिक्त, देश के जनजातीय एवं पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित सभी डाकघरों को वीपीएनओबीबी, एमपीएलएस, वीएसएटी, आरएफ/वायरलैस आदि जैसे विभिन्न माध्यमों से अपग्रेडिड बैंडविड्थ प्रदान कर कनेक्टिविटी प्रदान की गई है, ताकि बेहतर डाक सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

(च) फिलहाल, तमिलनाडु में अतिरिक्त डाकघर स्थापित करने संबंधी कोई प्रस्ताव नहीं है। डाक सुविधाओं तथा अन्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु तमिलनाडु में 11,853 डाकघर (प्रधान डाकघर, उप-डाकघर और शाखा डाकघर) कार्यरत हैं।

(छ) सभी डाकघरों को कम्प्यूटरीकृत किया गया है और इनके माध्यम से डाक, वित्तीय एवं बीमा सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, आईपीपीबी, पासपोर्ट सेवा, आधार सेवाएं, डाक निर्यात केंद्र आदि के माध्यम से अन्य नागरिक केंद्रित सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, पार्सलों की पूर्णतः सुरक्षित डिलिवरी के कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से डाक सड़क परिवहन नेटवर्क भी स्थापित किया गया है। इसके अलावा, मेल एवं पार्सल सेवाओं को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए डाकघरों द्वारा ऑनलाइन ट्रैक एंड ट्रेस सुविधा, सेल्फ-बुकिंग कियोस्क, डिलिवरी संबंधी सूचना का रियल टाइम अपडेशन और कैश-ऑन-डिलिवरी जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं।

*****